

姚庆瑞 白玉林 编著

文言固定句式及熟語

陕西人民出版社

卷之三

大言回文句式及熟語

文言固定句式及熟语

姚庆瑞 白玉林 编著

陝西人民出版社

文言固定句式及熟语

姚庆瑞 白玉林 编著

陕西人民出版社出版发行

(西安北大街131号)

新华书店经销 安康印刷厂印刷

787×1092毫米 32开本 8印张 164千字

1987年6月第1版 1987年1月第1次印刷

印数：1—7,990

统一书号：9094·110 定价：1.45元

序

文言固定句式及熟语，是古代典籍中用法和结构比较固定的一种特殊语言形式。这种固定的语言形式，正是一般读者阅读文言文所必须掌握的。但向来无专书诠释，一般都包括在文言语法书中。

今姚庆瑞先生和白玉林同志编著的《文言固定句式及熟语》一书，把常见的固定句式及熟语都收罗起来，集中专释，详析其语法结构、意义用法；并广泛搜辑例句，从史传古籍、历代散文名篇、以至大中教材。每一条目，胪列例句之多，为一般文言语法书籍所不及，这是该书的一大特点。而每一例句，都对应的作了今译，更有助于读者在文白对照中谙熟句式。其材料之宏富，论列之翔实，堪为一般读者阅读文言文之良师益友。今付梓之日，聊缀数言以为序。

冯成林

一九八五年八月二十五日于陕西师大

前　　言

文言文是以先秦口语为基础而形成的上古汉语书面语言以及后世作家仿古作品中的语言。由于时代相去已远，语言之演变，文言文与现代文的距离越来越大，这就给一般读者，尤其是青年读者，阅读文言文，学习优秀的文学遗产，带来了困难。

阅读文言文，除历史知识、文物故实、思想意义外，开篇首先碰到的困难是文字和句式。尤其是文言所独有的句式，一般书籍很少注解；而文言语法专著，按其编著体例，多分散而不能集中讲析，只是作为特殊的句例提叙一下，且收罗不广，解说不详，例句不多，查检不易，此《文言固定句式及熟语》之所以编也。

本书分两部分，首编固定句式，次编熟语。从先秦到清末，从文史到一般文言名篇，从常见的到不常见的，共收固定句式140条，熟语86条。

每一条目下，先解说其语法结构，意义用法，其次从史传、诸子、散文名篇中，特别注意从大学、中学教材中，广泛选择例句，共列举书证1,290条。凡选列例句，都标记作者书名或篇名，并作了今译，译文力求和例句的语言对应，以便加强理解。句式若有例外，则加注变例，对某些句式、熟语的异同也作了辨析。句式和熟语分别按音序编排，以便读者翻检。

陕西师范大学冯成林教授在百忙中审阅了全稿，提出许多宝贵意见，并为之撰序，在此表示衷心的感谢。

由于我们水平有限，所见不广，所以乖戾难免，敬希读者批评指正。

编著者

一九八五年九月十五日

国录

固定句式

B

| | |
|-----------|------------|
| bù | 不……不…… (1) |
| | 不惟(唯)…… |
| | 亦…… (3) |
| | 不已……乎 (3) |
| | 不亦……乎 (4) |

D

| | |
|------------|-------------|
| dàn | 但使……便…… (5) |
| dé | 得微……乎 (6) |
| | 得无……乎 (6) |
| | 得毋……乎 (8) |

| | |
|------------|------------|
| dié | 迭……迭…… (9) |
|------------|------------|

E

| | |
|-----------|-------------|
| ér | 而……而况…… (9) |
|-----------|-------------|

F

| | |
|------------|-------------|
| fēi | 非……必…… (10) |
| | 非……不…… (11) |
| | 非……而…… (12) |
| | 非……即…… (15) |

非……将…… (16)

非……莫…… (16)

非……无…… (17)

非……则…… (18)

非(匪)但……

亦…… (21)

非独……亦…… (22)

非独……又…… (22)

非特……又…… (23)

非徒……又…… (23)

非唯……亦…… (24)

非惟……抑亦

…… (25)

fēi 匪……伊…… (25)

G

gēng 更……更…… (26)

gǒu 苟……则…… (27)

H

hé 何……为…… (28)

何……之有 (30)

何故……为 (32)

| | | | | | |
|-------|------------------|------|-----|----------|------|
| | 何以……为 | (32) | | 宁……宁…… | (51) |
| hnò | 或……或…… | (34) | | 宁……其宁…… | (52) |
| | J | | | 宁……无…… | (52) |
| jí | 即……亦…… | (36) | | 宁可……不…… | (53) |
| jì | 既……而…… | (36) | nuó | 那……何 | (54) |
| | 既……且…… | (37) | | Q | |
| | 既……亦…… | (38) | qiè | 且……安…… | (54) |
| | 既……又…… | (38) | | 且……而况…… | (55) |
| | 既……则…… | (40) | | 且……况…… | (56) |
| jiǎ | 假而……则…… | (41) | | 且……且…… | (57) |
| jiàn | 见……于…… | (42) | | 且由…(而) | |
| jiāng | 将……将…… | (43) | | 况…… | (59) |
| | 将……是…… | (44) | | 且犹……而况…… | (60) |
| jin | 浸(寢)……浸 (寢)…… | (45) | | 且犹……(何) | |
| | L | | | 况…… | (61) |
| líng | 令……则…… | (45) | | R | |
| | M | | rú | 如……何…… | (61) |
| mi | 弥……弥…… | (46) | | 如……然 | (64) |
| | 弥……滋(愈) | | | 如……则…… | (65) |
| | | (47) | | 如……者 | (67) |
| | 靡……不…… | (47) | ruò | 若……何…… | (67) |
| | N | | | 若……然 | (69) |
| nài | 奈……何 | (48) | | 若……则…… | (71) |
| nìng | 宁……不…… | (50) | | 若……者 | (72) |
| | 宁……将…… | (51) | | 若苟……则…… | (73) |
| | | | | 若使……则…… | (74) |

| | | |
|--------------------------|-------------|-------|
| S | | |
| shàng 尚……安…… (75) | wéi 为……所…… | (97) |
| 尚……而况……(75) | 唯……是…… | (99) |
| 尚……何(岂) | 唯……之(为) | |
| 况…… (76) | …… | (100) |
| 尚……何乃……(77) | 惟……是…… | (101) |
| 尚……况…… (77) | 惟……之…… | (102) |
| 尚……况于……(79) | 惟……之为…… | (103) |
| 尚犹……而(又) | 维……是…… | (104) |
| 况…… (79) | wéi 谓……何 | (104) |
| 尚犹……况……(80) | wú 无……不…… | (105) |
| shí 时……时…… (81) | 无乃……乎 | (106) |
| shǐ 使……则…… (81) | 毋乃……乎 | (108) |
| shì 式……且…… (83) | | X |
| 式……以…… (84) | xī 奚……为 | (109) |
| sì 似……者 (84) | 奚以……为 | (110) |
| suī 虽……而…… (85) | xìng 向……则…… | (110) |
| 虽……而况……(86) | 向使……则…… | (111) |
| 虽……然…… (87) | xuán 旋……旋…… | (112) |
| 虽……然而……(89) | | Y |
| 虽……亦…… (90) | yí 一……一…… | (113) |
| 虽……犹…… (92) | 壹……壹…… | (114) |
| 虽……犹且……(93) | yǐ 以……为…… | (114) |
| 虽……犹若……(94) | yì 益……益…… | (118) |
| suǒ 所以……者 (95) | yóu 犹……而况…… | (118) |
| | 犹……而(何) | |
| W | | |
| | 况于…… | (120) |

| | | | | | |
|----|-------------------|-------|-------|------------------|-------|
| | 犹……况…… | (121) | zài | 再……再…… | (136) |
| | 犹……然 | (122) | zé | 则……则…… | (137) |
| | 犹……又况…… | (123) | zhà | 乍……乍…… | (138) |
| | 犹或……况…… | (124) | zhě | 者……也 | (139) |
| | 犹若……而况 (于)…… | (125) | zhōng | 终……且…… | (140) |
| | 犹尚……况…… | (125) | zī | 滋……滋(愈) | (141) |
| yù | 与……不如…… | (126) | | 熟语 | |
| | 与……宁…… | (127) | | B | |
| | 与其……不如 | (128) | bì | 必将 | (142) |
| | 与其……不若 | (129) | bù | 不啻 | (143) |
| | 与其……宁…… | (130) | | 不翅 | (144) |
| | 与其……宁其 | (131) | | 不独 | (144) |
| | 与(其)……岂若 | (131) | | 不过 | (145) |
| | 与其……孰若 | (132) | | 不如 | (145) |
| | 与其……无(毋) | | | 不唯 | (146) |
| | 宁…… | (133) | | F | |
| yù | 愈……益(兹) | (134) | fēi | 非不 | (146) |
| | 愈……愈…… | (135) | | 非但 | (147) |
| | Z | | | 非独 | (148) |
| | | | | 非特 | (149) |
| | | | | 非唯 | (149) |
| | | | fǒu | 非直 | (150) |
| | | | | 否则 | (151) |
| | H | | | | |
| | | | hé | 何必 | (153) |

| | | | | | |
|----|----|-------|------|----|-------|
| | 何曾 | (154) | | 莫若 | (181) |
| | 何尝 | (154) | | N | |
| | 何得 | (155) | nǎi | 乃后 | (181) |
| | 何乃 | (156) | | 乃遂 | (182) |
| | 何其 | (157) | nài | 奈何 | (183) |
| | 何如 | (157) | nìng | 宁当 | (184) |
| | 何若 | (159) | | Q | |
| | 何所 | (160) | qǐng | 顷之 | (185) |
| | 何为 | (162) | | R | |
| | 何谓 | (163) | rán | 然而 | (186) |
| | 何以 | (165) | | 然后 | (188) |
| | 何用 | (168) | | 然则 | (190) |
| | 何由 | (169) | rú | 如此 | (192) |
| | 何有 | (169) | | 如何 | (194) |
| | 何足 | (171) | | 如是 | (196) |
| | 曷尝 | (172) | | 如台 | (197) |
| | 曷若 | (172) | | S | |
| | 曷为 | (173) | shì | 是故 | (198) |
| hú | 胡如 | (174) | | 是以 | (200) |
| | 胡为 | (174) | | 是用 | (202) |
| | 胡以 | (176) | shú | 孰与 | (204) |
| | M | | suī | 虽然 | (205) |
| mí | 靡不 | (176) | suǒ | 所从 | (207) |
| mò | 莫不 | (178) | | 所为 | (208) |
| | 莫非 | (179) | | 所以 | (209) |
| | 莫如 | (180) | | 所由 | (212) |

| | | | |
|-----------|-------|----------|-------|
| 所与 | (213) | 无庸 | (230) |
| 所自 | (213) | | X |
| | | xī 奚如 | (230) |
| | | xī 美若 | (231) |
| W wǎng 周不 | (214) | xī 美为 | (232) |
| wèi 未必 | (215) | xī 美以 | (233) |
| 未曾 | (217) | xiāng 相率 | (234) |
| 未尝 | (217) | | Y |
| 未几 | (219) | yào 要之 | (235) |
| 未始 | (220) | yóu 由是 | (236) |
| wú 无不 | (221) | yǒu 有所 | (238) |
| 无非 | (223) | yǒu 有以 | (239) |
| 无何 | (225) | | Z |
| 无所 | (226) | zǒng 总之 | (241) |
| 无以 | (228) | | |

固定句式

固定句式是指位于句子中用法和句式比较固定的一组词。它的中间或后边可以加入词、词组或句子，使得句子结构完整。固定句式往往前后呼应，互相配合。

B

不……不…… bù……bù……

由两个副词“不”组成。用双重否定的形式来表示肯定。第一个“不”后一般跟有助动词“可”、“能”、“得”等。译时与现代汉语相同。

- ①士不可以不弘毅，任重而道远。（《论语·泰伯》）
——士不可以不心胸宽广、意志坚强，因为他责任重大、道路遥远。
- ②故论功察罪，不可不审也。（《商君书·禁使》）
——所以论定功劳、审察罪过，不可不慎重。
- ③郤子之言，非危则乱，不可不察也。（《韩非子·难一》）
——郤子的话，不是使国家危险就是使刑法混乱，不可不察。

- ④圣人以治天下为事者也，不可不察乱之所自起。
(《墨子·兼爱上》)
——圣人把治理天下作为任务，不可不考察祸乱产生的根源。
- ⑤是故择师不可不慎也。 (《礼记·学记》)
——因此选择老师不可不慎重。
- ⑥秦人大失望，然恐，不敢不服耳。 (《史记·高祖本纪》)
——秦国百姓非常失望，然而害怕，不敢不服罢了。
- ⑦朕以王侯吏不释之故，不得不立，今即位。 (刘恒《赐南粤王赵佗书》)
——我由于王侯群臣不舍的缘故，不得不主持国政，现在已经继承了王位。
- ⑧此所以学者不可以不深思而慎取之也。 (王安石《游褒禅山记》)
——这就是学者不能不深入思考而慎重取舍的原因。
- ⑨仁而无止，天地不能不究也，而圣人能之欤？ (杨万里《刑法上》)
——仁爱而没有止境，天地不能不追究，但圣人能这样吗？
- ⑩夫夺其食，不得不怒；竭其力，不得不怨。 (《伯牙琴·吏道》)
——统治者剥夺人民的劳动果实，人民不能不愤怒；用尽了人民的劳动力，人民不能不怨恨。

不惟(唯)……亦…… bùwéi……yì……

由熟语“不惟(唯)”和副词“亦”组成。关联两个分句，表示进层关系。相当于现代汉语的“不只……也……”。

①寡人之使吾子处此，不惟许国之为，亦聊以固吾圉也。
(《左传·隐公十一年》)

——我让你住在这里，不只为了许国，也为了巩固我国的边疆啊。

②方是时，不惟未觉作诗之难，亦未觉作州之难也。
(杨万里《诚斋荆溪集序》)

——在那个时候，不只没有感到作诗的艰难，也没有感到作州官的艰难。

③乃赠以琴，又授以药曰：“归医祖母，不惟却病，亦可延年。”(《聊斋志异·粉蝶》)

——就把琴送给他，又把药给他说：“回家医治祖母，不只能除病，也可以延年益寿。”

不已……乎 bùyǐ……hū

由熟语“不已”同助词“乎”组成。用委婉的反问语气，来表示肯定的意思。相当于现代汉语的“不也……吗”。

①子贡曰：“冕而亲迎，不已重乎？”(《穀梁传·桓公三年》)

——子贡说：“穿着祭服亲自迎接，不也太重了吗？”

②近观齐桓，中主之才耳，……九合诸侯，一匡天下，不
已荣乎？（杜恕《体论》）

——近看齐桓公，不过是个中等之才的君主罢了，
……但他九次会合诸侯，平定天下，不也很荣耀吗？

不亦……乎 bùyì……hū

由熟语“不亦”同助词“乎”组成。用委婉的反问语气，来表示肯定的意思。相当于现代汉语的“不也……吗”。

①子曰：“学而时习之，不亦说乎？”（《论语·学而》）

——孔子说：“学习了并且经常温习它，不也很愉快吗？”

②天子降心以逆公，不亦可乎？（《左传·僖公二十五年》）

——天子降心来迎您，不也可以吗？

③晋侯曰：“卫人出其君，不亦甚乎？”（《左传·襄公十四年》）

——晋悼公说：“卫国百姓把国君驱逐出去，不也太过分了吗？”

④鲁侯不亦善于礼乎？（《左传·昭公五年》）

——鲁侯对于礼不也很精通吗？

⑤有朋自远方来，不亦乐乎？（《论语·学而》）

——有志同道合的人从远方来，不也令人快乐吗？

⑥有过不罪，无功受赏，虽亡，不亦可乎？（《韩非